हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार 5 मई 2026

04 लापरवाहीः अवैध बिजली सजावट बनी बेगुनाह...

07 काम की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन, फिर...

खबर संक्षेप

केसली में कलेक्टर की अध्यक्षता में विशेष जनसुनवाई आज होगी

सागर। कलेक्टर प्रतिभा पाल द्वारा विकासखंड केसली में 5 मई दिन मंगलवार को विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान ग्रामीणजन अपनी समस्याएं सीधे कलेक्टर के समक्ष रख सकेंगे। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित आवेदनों पर सुनवाई की जाएगी। मौके पर ही संबंधित विभागों के जिला और ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे, ताकि आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले आवेदनों को गंभीरता से लिया जाए और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ तुरंत प्रदान किया जाए। इस पहल से ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए जिला मुख्यालय तक नहीं आना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर ही उनकी शिकायतों का समाधान हो सकेगा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने विकासखंड केसली क्षेत्र के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि इस विशेष जनसुनवाई में अधिक से अधिक उपस्थित होकर जनसुनवाई का लाभ लें।

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक आयोजन कल

सागर। सांसद एवं अध्यक्ष जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति लता वानखेड़े की अध्यक्षता जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 6 मई को दोप. 2:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में खनिज विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल निगम, लोक निर्माण विभाग भवन, म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग, खाद्य विभाग, वन विभाग उत्तर / दक्षिण, आयुक्त नगर निगम, गेहूं खरीदी केन्द्रों की समीक्षा, विद्युत विभाग और अग्निशमन, पुलिस विभाग, परियोजना समन्वयक, डे.एन. आर.एल.एन, जिला महिला एवं सशक्तिकरण विभाग, कृषि विभाग योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना जैसे विषयों पर की समीक्षा की जाएगी।

अधिकारियों ने उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया

सागर। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देशन में अधिकारियों द्वारा जिले के उपार्जन केंद्रों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में शाहगढ़ के अंतर्गत दलपतपुर समिति का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर छाया एवं पेयजल की व्यवस्था संतोष जनक पाई गई, जिससे किसानों को सुविधा मिल रही है। चना एवं मसूर उपार्जन केंद्र पर वारदाना की कमी की स्थिति सामने आई, जिस पर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार नहरमऊ गोदाम अंतर्गत नहरमऊ समिति में स्व-सहायता समूह जय माता दी द्वारा संचालित गेहूं उपार्जन कार्य का भी निरीक्षण किया गया। यहां उपार्जन कार्य सुव्यवस्थित रूप से संचालित पाया गया, साथ ही आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा कर सुधार के निर्देश दिए गए। कलेक्टर के निर्देश पर अधिकारियों ने आगामी दिनों में मौसम परिवर्तन एवं संभावित वर्षा को ध्यान में रखते हुए संबंधित को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं कि अपने गेहूं, चना एवं मसूर की उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें तथा खुले में रखे अनाज को तिरपाल आदि से ढककर सुरक्षित करें, ताकि वर्षा से नुकसान की संभावना कम हो सके। उन्होंने मंडी प्रभारियों एवं उपार्जन समितियों के सदस्यों को सख्त निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों पर अनाज के सुरक्षित भंडारण हेतु तिरपाल, एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित की जाएं।

मंगलम चाय के नाम से एक दम सटीक मिलती जुलती नक़ली पैकिजिंग

"रॉयल मंगलम चाय एवं रॉयल प्रीमीयम मंगलम चाय" की पैकिजिंग का भांडाफोड़! कसा शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

दिल्ली डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के आदेश पर सागर में बड़ी रेड, नकली प्रोडक्ट हुए जब्त देश की जानी-मानी और भरोसेमंद कंपनी सागर टी कम्पनी के प्रसिद्ध ब्रांड "मंगलम चाय" की नकल कर बाजार में नकली चाय पत्ती की पैकिजिंग बेचने का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में "रॉयल मंगलम चाय एवं रॉयल प्रीमीयम मंगलम चाय" नाम से चाय पत्ती बनाकर बेचने वालों पर कानून का शिकंजा कस गया है।

सागर टी कम्पनी को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि सागर में स्थित विशाल मोदी द्वारा मंगलम चाय से एक दम मिलता हुआ नक़ली नाम रॉयल मंगलम चाय एवं रॉयल प्रीमीयम मंगलम चाय के नाम से चाय पत्ती बेची जा रही है, जिसकी पैकेजिंग, नाम, डिजाइन, मंगलम चाय लिखने का तरीका और पूरी बनावट हूबहू सागर टी कम्पनी के पंजीकृत ब्रांड मंगलम चाय जैसी है। इससे आम ग्राहक आसानी से धोखे में आ सकता है। प्रारंभिक जांच में साफ पाया गया कि यह पूरी

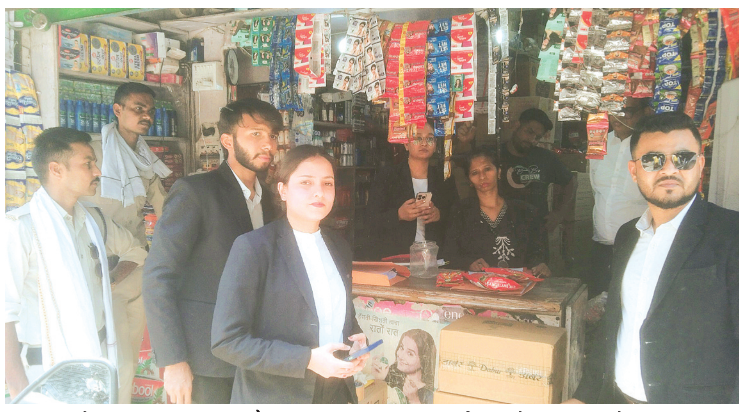

गतिविधि ट्रेडमार्क एक्ट 1999 और कॉपीराइट एक्ट 1957 का खुला उल्लंघन है। यह मामला न सिर्फ ब्रांड की नकल का है, बल्कि उपभोक्ताओं को भ्रमित कर अवैध मुनाफा कमाने की कोशिश भी है।

दिल्ली डिस्ट्रीक्ट कोर्ट की सख्त कार्रवाई

सागर टी कंपनी की ओर से नवकार एसोसिएट्स के अधिवक्ता नम्रता जैन और विजय सोनी ने दिल्ली के वाणिज्यिक न्यायालय में मामला दायर किया।

कोर्ट ने प्रथम दृष्टया मामला मजबूत पाते हुए लोकल कमिश्नर नियुक्त किया और पुलिस की मदद से सर्च और सीज़र की अनुमति दी।

सागर में बड़ी रेड

कोर्ट के आदेश पर सागर स्थित परिसर पर लोकल कमिश्नर और स्थानीय पुलिस ने छापा मारा। छापे के दौरान बड़ी मात्रा में "रॉयल मंगलम चाय एवं रॉयल प्रीमीयम मंगलम चाय" नाम के नकली चाय पत्ती की पैकिजिंग बरामद किए गए, जो सागर टी कम्पनी के मंगलम चाय ब्रांड की सीधी नकल थी। सभी नकली माल को जब्त कर सील कर दिया गया है और अब यह कोर्ट की कस्टडी में है।

अब बिक्री पूरी तरह गैरकानूनी

दिल्ली डिस्ट्रीक्ट कोर्ट के आदेश के बाद अब से रॉयल मंगलम चाय एवं रॉयल प्रीमीयम मंगलम चाय नाम से चाय पत्ती का निर्माण, भंडारण, बिक्री, वितरण, प्रचार या विज्ञापन नहीं कर सकती। ऐसा करना कोर्ट की अवमानना माना जाएगा।

नकली ब्रांडिंग पर कड़ा संदेश

यह कार्रवाई नकली ब्रांड, बौद्धिक संपदा अधिकारों के उल्लंघन और उपभोक्ताओं से धोखाधड़ी करने वालों के लिए एक सख्त चेतावनी है कि कानून अब ऐसे मामलों में बिल्कुल भी नरमी नहीं बरतेगा।

पीएम मोदी के नेतृत्व में लोकतंत्र और विकास की ऐतिहासिक जीतः भूपेंद्र सिंह

सागर । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व गृहमंत्री एवं वरिष्ठ विधायक भूपेन्द्र सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दूरदर्शी, निर्णायक और जन-केंद्रित नेतृत्व की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए उन्हें हृदय से अभिनंदन दिया। उन्होंने कहा कि यह परिणाम नरेन्द्र मोदी के प्रति देश की जनता के अटूट भरोसे, गहरे विश्वास, अपार लोकप्रियता और श्रद्धा की स्पष्ट अभिव्यक्ति है। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, पारदर्शिता और सुशासन की जो नई दिशा पकड़ी है, उसी पर जनता ने एक बार फिर अपनी मुहर लगाई है। भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि यह विजय केवल एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि "विकसित भारत" के संकल्प, आत्मनिर्भरता की सोच और मजबूत राष्ट्र निर्माण के विज़न की जीत है। उन्होंने इसे लोकतंत्र और राष्ट्रवाद की सशक्त जीत बताते हुए कहा कि जनता ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह विभाजनकारी राजनीति से ऊपर उठकर स्थिरता, सुरक्षा और समग्र विकास चाहती है। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह की रणनीतिक कुशलता, संगठनात्मक क्षमता और अद्भुत चुनावी प्रबंधन की विशेष सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भाजपा ने जमीनी स्तर पर जिस प्रकार कार्यकर्ताओं को संगठित किया और हर वर्ग तक अपनी बात पहुंचाई, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। श्री शाह की सूक्ष्म योजना, निरंतर संवाद और मजबूत रणनीति ने पश्चिम बंगाल जैसे चुनौतीपूर्ण राज्य में भाजपा को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान की है। भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी का प्रदर्शन अद्भुत और असाधारण है, जिसने राज्य की राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ा है। उन्होंने कहा कि चुनाव नतीजों ने यह सिद्ध कर दिया है कि पश्चिम बंगाल की जनता अब भाषा, जाति, क्षेत्रवाद और भय की राजनीति से उब चुकी है और वह विकास, सुशासन और पारदर्शिता की दिशा में आगे बढ़ना चाहती है। यह परिणाम उस बदलाव की बयार है, जो आने वाले समय में और अधिक व्यापक रूप लेगी।

आवास योजना का सर्वे न होने से नाराज आवेदकों ने जुलूस निकाला ज्ञापन सौंपा

देवरीकलां। देवरी नगरीय क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 का सर्वे कार्य लंबे समय बाद भी आरंभ न होने से नाराज आवेदकों ने मुख्य मार्ग से होकर जुलूस निकाला एवं मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम देवरी को ज्ञापन सौपा। प्रदर्शन में सैकड़ों नागरिक शामिल हुए जिसमें अधिकांश महिला आवेदक शामिल थी। देवरी नगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डो में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 का सर्वे कार्य आरंभ न होने के कारण नागरिकों में भारी नाराजगी व्याप्त है। आवेदकों द्वारा विगत 1 वर्ष पूर्व ऑनलाइन फार्म जमा कराये जाने के बाद भी उन्हे योजना का लाभ नही मिल सका है। निकाय में लगभग 1500 आवेदकों द्वारा योजना अंतर्गत आवेदन किया गया है परंतु सर्वे कार्य के आभाव के चलते योजना की प्रगति ठप बनी हुई है। मामले को लेकर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमति नेहा अलकेश जैन की अगुवाई में सैकड़ों आवेदकों ने नगरपालिका चौराहे से होकर कचहरी परिसर तक जुलूस निकालकर नारेबाजी की एवं मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम देवरी को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में कहा गया कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनकल्याणकारी प्रधानमंत्री आवास योजना के दूसरे चरण में नगर के 1500 से अधिक आवाहीन आवेदकों द्वारा ऑनलाइन आवेदन जमा कराये गये थे, परंतु राजनैतिक गुटबाजी के चलते जानबूझकर योजना में अवरोध उत्पन्न किया जा रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि प्रदेश की अन्य नगरपालिकाओं में योजना के दूसरे चरण के हितग्राहियों को प्रथम किस्त का भुगतान उनके खातों में किया जा चुका है, परंतु देवरी नगरीय क्षेत्र में योजना के क्रियान्वयन को लेकर जिम्मेदार लापरवाह बने हुए है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि स्थानीय प्रशासन नगरपालिका में गुटबाजी बनाये रखने हेतु प्रत्यनशील है जो योजना की मंशा एवं क्रियान्वयन पर सवाल खड़े करता है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि स्थानीय अधिकारी शासन प्रशासन को गुमराह करने के लिए चोरी छिपे सर्वे सूची तैयार कर खानापूर्ति कर रहे है जिसमें व्यापक भृष्टाचार की आशंका बनी हुई है। ज्ञापन में मांग की गई कि नगर के सभी 15 वार्डो में योजना का सर्वे कार्य आरंभ कराकर आवासहीनों के खातों में राशि डाली जाये। ज्ञापन कार्यक्रम को त्रिवेन्द्र जाट, नर्मदा वाल्मीकी एवं अन्य वक्ताओं से संबोधित किया ज्ञापन का वाचन एडव्होकेट जगदीश सोनी ने किया। इस अवसर पर लगभग 800 से अधिक लोग उपस्थित थे। ज्ञापन को प्राप्त कर नायब तहसीलदार रामराज चौधरी ने ज्ञापन को प्रदेश के मुख्यमंत्री तक पहुँचाये जाने एवं प्रशासन की ओर से नागरिकों की समस्या का समयसीमा में निराकरण का आश्वासन दिया गया।

मानसून से पहले दुरुस्त हों जिले के तालाब बावड़ियां, हटाएं अतिक्रमणः कलेक्टर पाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

जिले की जल संरचनाओं के पुनरुद्धार और प्रशासनिक कसावट को लेकर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सख्त निर्देश दिए हैं। समय-सीमा बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि 'जलगंगा संवर्धन अभियान' के तहत मानसून आने से पहले जिले के सभी तालाबों और बावड़ियों को दुरुस्त किया जाए और जल स्त्रोतों पर हुए अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए। जल संरक्षण और अतिक्रमण पर कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जल-संग्रहण की सभी संरचनाओं को वर्षा ऋतु के लिए तैयार करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड पर उतरकर तालाबों से अवैध कब्जे हटाने और जल स्त्रोतों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जल स्तर में सुधार हो सके।

लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर पाल ने कहा कि विभिन्न आयोगों से प्राप्त पत्रों और सीएम मॉनिट की रिपोर्ट हर हाल में

15 दिनों के भीतर भेजी जाए। साथ ही, उन्होंने सभी पेंडिंग केसों को इसी सप्ताह निराकृत करने के भी निर्देश दिए हैं।

कार्यालयीन कार्यप्रणाली में सुधार लाने के उद्देश्य से कलेक्टर ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए कार्यालय समय की बाध्यता दोहराई। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय सेवक सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित रहें।उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन और जनहित के कार्यों में समय का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों पर पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी एसडीएम को नियमित निरीक्षण और मंडी विजिट करने की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि परिवहन और स्टॉक नोट में किसी भी विसंगति न पाई जाए।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिन ब्लॉकों में पोषण पुनर्वास केंद्र शत-प्रतिशत नहीं भरे हैं, वहां जिला कार्यक्रम अधिकारी स्वयं मॉनिटरिंग करें और मैदानी अमला घर-घर जाकर कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें भर्ती कराए।

नारी शक्ति को सलामः अटूट इच्छाशक्ति से स्वदेश राजा बुंदेला ने पेश की मिसाल

सागर। मन में विश्वास और कार्य करने की इच्छाशक्ति हो, तो कुछ भी असंभव नहीं। इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है प्रगणक शिक्षिका स्वदेश राजा बुंदेला ने। उन्होंने अपनी कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए मात्र एक दिन में 44 मकानों की गणना पूर्ण कर ली है। इसके साथ ही उन्होंने अपने आवंटित कार्य का 60% हिस्सा रिकॉर्ड समय में पूरा कर लिया है। बुंदेला ने कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी प्रतिभा पाल के निर्देशों और नगर निगम कमिश्नर राजकुमार खत्री के मार्गदर्शन में इस लक्ष्य को प्राप्त किया। उन्होंने कहा है कि वे 5 मई तक अपना समस्त कार्य पूर्ण कर लेंगी और मध्य प्रदेश जनगणना निदेशालय के निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन करेंगी। नगर निगम कमिश्नर राजकुमार खत्री के अनुसार बुंदेला ने न केवल गणना पूरी की, बल्कि डेटा को सफलतापूर्वक सिंक भी कर दिया है। नगर निगम प्रशासन और जिला प्रशासन ने बुंदेला के इस जज्बे और कार्यशैली की सराहना की है। यह उदाहरण अन्य कर्मियों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत है कि कैसे दृढ़ संकल्प से शासकीय कार्यों को गति दी जा सकती है।

शिशु मृत्यु दर कम करने पर आईपीए की वर्कशॉप

सागर। आईपीए सागर द्वारा जन्म से 1000 दिन तक के बच्चों के स्वास्थ्य एवं जीवन शैली पर वर्कशॉप आयोजित की गई। जिसमें शिशु मृत्यु दर कम करने पर गहन विचार विमर्श हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर पीएस ठाकु बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज , मुख्य अतिथिडॉ नीना गिडियन क्षेत्रीय संचालक सागर संभाग रहीं। सेंट्रल आईपी के द्वारा डॉक्टर आशीष पाठक, डॉ आरके यादव, डॉ नवनीत खंडेलवाल एवं डॉ आशीष जैन अपने विचार प्रकट किया. कार्यक्रम की संयोजन में डॉक्टर प्रशांत तिवारी डॉक्टर प्रिंस अग्रवाल का योगदान रहा। डॉ राजेश जैन ने आभार व्यक्त किया।

जलकर एवं संपत्तिकर के उपभोक्ताओं को अग्रिम राशि जमा करने पर छूट का लाभ 10 तक मिलेगा

सागर। नगर निगम क्षेत्र के जलकर एवं संपत्तिकर उपभोक्ताओं के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जलकर एवं संपत्तिकर की एक वर्ष की राशि एकमुश्त अग्रिम रूप से जमा करने पर छूट का लाभ प्राप्त करने हेतु 6दिन शेष रह गए हैं। निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने बताया कि पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी जलकर की एक वर्ष की राशि अग्रिम जमा करने पर उपभोक्ताओं को 10 मई तक विशेष छूट प्रदान की जा रही है। एक वर्ष का 2400 रुपए वार्षिक जलकर देय होता है, किंतु एकमुश्त भुगतान करने पर एक माह की राशि 200 रुपए की छूट प्रदान की जा रही है, जिसके पश्चात उपभोक्ताओं को केवल 2200 रुपए का भुगतान करना होगा।

अग्रणी महाविद्यालय में 'प्रेरणा एवं लक्ष्य निर्धारण' पर कार्यशाला संपन्न

सागर। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश, भोपाल के निर्देशों के परिपालन में शासकीय कला एवं वाणिज्य अग्रणी महाविद्यालय, सागर में विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण और मानसिक सुदृढ़ता हेतु "प्रेरणा एवं लक्ष्य निर्धारण" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह विशेष आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता के गरिमामय निर्देशन में संपन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ गोपा जैन ने की। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्नातक स्तर की परीक्षाओं से ठीक पहले विद्यार्थियों को तनावमुक्त कर उन्हें सफलता के लिए प्रेरित करना रहा। प्रभारी प्राचार्य डॉ. गोपा जैन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने संबोधन में विद्यार्थियों को एकाग्रता का महत्व समझाते हुए कहा कि सही समय पर लिया गया सही निर्णय ही भविष्य की आधारशिला रखता है। कार्यक्रम के व्यवस्थित संचालन में संयोजक सुनील प्रजापति सहित वरिष्ठ सदस्य डॉ. रविंद्र सिंह ठाकुर एवं श्रीमती रश्मि दुबे की सक्रिय सहभागिता रही, जिन्होंने आयोजन की रूपरेखा को सुव्यवस्थित ढंग से क्रियान्वित किया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित डॉ. रामकुमार तिवारी ने स्नातक स्तर की परीक्षाओं की दहलीज पर खड़े विद्यार्थियों को सफलता के सूत्र दिए। उन्होंने विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि परीक्षा की तैयारी केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि विषम परिस्थितियों में धैर्य और अटूट आत्मविश्वास बनाए रखना भी इसका अनिवार्य हिस्सा है। डॉ. तिवारी ने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि कैसे एक स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर विद्यार्थी अपनी ऊर्जा का सही उपयोग कर सकते हैं। स्नातक परीक्षाओं के ठीक पूर्व आयोजित इस कार्यशाला को लेकर छात्र-छात्राओं में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों ने न केवल वक्ता के अनुभवों का लाभ उठाया, बल्कि परीक्षा के तनाव को दूर करने की बारीकियों को भी समझा। कार्यशाला के आयोजन को लेकर डॉ संदीप सबलोक ने बताया कि परीक्षा के ऐन वक्त पर प्राचार्य डॉ सरोज गुप्ता के मार्गदर्शन में इस तरह के प्रेरणादायी सत्र विद्यार्थियों के प्रदर्शन में गुणात्मक सुधार लाने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

चोरों ने मंदिर के मुख्य गेट का ताला तोड़े बिना, जाली के रास्ते से प्रवेश कर दिया वारदात को अंजाम

महाकाली मंदिर में लाखों की चोरीः चोरों ने बिना ताला तोड़े दान पेटी से नकदी चुराई

हरिभूमि न्यूज ⏭ खुरई

शहर के व्यस्ततम शिवाजी चौक पठार स्थित प्रसिद्ध महामंगला महाकाली मंदिर में रविवार रात चोरी हो गई। चोरों ने मंदिर की दान पेटी से करीब एक से डेढ़ लाख रुपए की नकदी चुरा ली। घटना की जानकारी सोमवार सुबह मंदिर के पुजारी की ओर से गेट खोलने पर हुई। शातिर चोरों ने मंदिर के मुख्य गेट का ताला तोड़े बिना, जाली के रास्ते अंदर प्रवेश किया। उन्होंने पहले जाली से हाथ डालकर सीसीटीवी कैमरे के तार काटे और फिर मंदिर में घुसकर लाइटें बंद कर दीं।

चोरों ने मंदिर के पीछे जाकर तोड़ा दानपात्र

चोरों ने कांच की दान पेटी को मंदिर के पीछे परिक्रमा स्थल पर ले जाकर तोड़ा। पेटी में रखी नकदी लेकर चोर फरार हो गए, हालांकि कुछ चिल्लर और दस रुपए के नोट वहीं छोड़ दिए। चोरी की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग

मंदिर परिसर में जमा हो गए। एसडीओपी प्रवीण अष्ठाना और शहरी थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह दांगी सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। मंदिर समिति के सचिव देशराज सिंह यादव ने बताया कि दान पेटी चैत्र नवरात्रि से पहले खोली गई थी और कुछ ही दिनों में इसे फिर से खोला जाना था।यादव ने यह भी बताया कि करीब तीन साल पहले भी मंदिर में चोरी हुई थी, जिसमें बाद में चोर पकड़ा गया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सागर से फिंगर प्रिंट और डॉग स्क्वाड की टीम को भी बुलाया गया है।

मंदिर समिति के सचिव देशराज सिंह यादव ने बताया कि शातिर चोर ने सबसे पहले मंदिर के सीसीटीवी कैमरे का बोर्ड टीन शेड की तरफ लगी जाली से झुककर लगा हुआ है। ऐसी आशंका है कि चोर ने सीसीटीवी कैमरों के तार को अलग करने के बाद मंदिर में घुसा है। उसने ऐसा इसलिए किया कि ताकि उसकी पहचान न हो सके। ऐसी आशंका है कि जाली के अंदर कोई बच्चा ही गया होगा क्यों कि जाली में से निकलने की काफी कम जगह है। रेकी करने के बाद ही घटना को अंजाम दिया गया है। शहर के बीचों बीच मंदिर में चोरी की घटना से पुलिस की गश्त पर सवालिया निशान लगा दिए हैं।

फिंगर प्रिंट और डॉग स्क्वाड की टीम को बुलाया

खुरई शहरी थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह दांगी ने बताया कि घटना की सूचना लगते ही मौके पर पहुंचा था। बारीकी से निरीक्षण किया गया है। सागर से फिंगर प्रिंट और डॉग स्क्वाड की टीम को बुलाया गया है।

विद्युत पोल से बांधकर सजावट करने से फैला करंट, सवालों के घेरे में उत्सव भवन

लापरवाही: अवैध बिजली सजावट बनी बेगुनाह बाराती की मौत की वजह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

शादी समारोह की चकाचौंध और अवैध रूप से की गई बिजली सजावट ने रविवार रात एक बेगुनाह बराती की जान ले ली। कलेक्टरेट रोड स्थित उत्सव भवन मैरिज गार्डन के पास बिजली के खंभे में उतरे करंट की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे ने न केवल शादी आयोजनों में की जा रही अवैध विद्युत व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि आखिर इस जानलेवा लापरवाही की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा, और क्या उस लापरवाह व्यक्ति पर कार्यवाही होगी। उक्त घटना रविवार रात की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार कलेक्ट्रेट के सामने स्थित उत्सव भवन में शादी समारोह का आयोजन होने की वजह से सजावट की गई थी। जिसमें लापरवाही बरतते हुए बिजली खंभे से अवैध रूप से बांधकर सजावटी झालर के तार बांधे गये थे। जिससे तार का करंट बिजली के खंबे में फ़ैल गया। करंट फैलने के पूर्व मृतक मनीराम साहू निवासी वानपुर ने अपनी साइकिल बिजली के खंभे के सहारे खड़ी की और शादी समारोह में शामिल होने के लिए उत्सव भवन में अंदर चला गया। बताया गया कि मृतक मनीराम साहू उक्त शादी में बराती बनकर आया था। इसी दौरान तेज हवा और बारिश शुरू हो गई, जिससे खंभे के आसपास पानी भर गया और खंबे में करंट फ़ैल गया। बारिश थमने के बाद जब मनीराम साहू अपनी साइकिल लेने लौटा और साइकिल को हाथ लगाया, तभी खंभे में फैले करंट ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। करंट इतना तेज था कि मनीराम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मनीराम के शव को जिला अस्पताल भिजवाया गया। विद्युत विभाग की प्रारंभिक जांच में जो तथ्य सामने आए, उन तथ्यों ने उक्त पूरे मामले को और ज्यादा गंभीर बना दिया है।

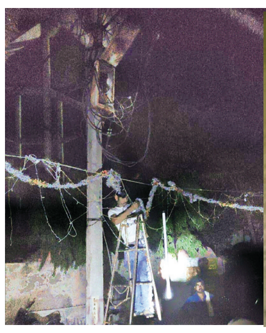

विभागीय अधिकारियों के अनुसार उत्सव भवन में आयोजित शादी समारोह के लिए सजावट करने वाले ठेकेदार द्वारा बिजली के सीमेंट पोल और उसके स्टे वायर पर अवैध रूप से सजावटी तार और झालर बांध दी गई थीं। तेज हवा और बारिश के दौरान यही तार बिजली लाइन के संपर्क में आ गए, जिससे पूरे स्टे वायर और खंभे में करंट प्रवाहित होने लगा। विद्युत कंपनी के शहर प्रभारी एवं एसडीओ नितिन बाथम ने बताया कि विद्युत विभाग को इस प्रकार की सजावट की कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई थी और विभागीय जांच में फिलहाल किसी विद्युत कर्मचारी की लापरवाही सामने नहीं आई है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह हादसा पूरी तरह अवैध रूप से की गई सजावट का परिणाम है। इस दर्दनाक घटना के बाद शहर में शादी समारोहों में की जा रही अवैध बिजली व्यवस्थाओं को लेकर बहस शुरू हो गई है। अक्सर देखा जाता है कि शादी गार्डनों और आयोजनों में बिना अनुमति बिजली के खंभों पर तार, झालर और अस्थायी कनेक्शन बांध दिए जाते हैं। लेकिन जिम्मेदार विभागों द्वारा इन पर कोई ठोस निगरानी नहीं की जाती। अब बड़ा सवाल यह है कि यदि बिजली के खंभे पर अवैध रूप से तार बांधे गए थे तो क्या मैरिज गार्डन प्रबंधन को इसकी जानकारी नहीं थी। क्या ठेकेदार ने सुरक्षा मानकों का पालन किया। और यदि यह सब खुलेआम हो रहा था तो जिम्मेदार विभागों ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मृतक मनीराम उक्त शादी में बराती बनकर वानपुर से आया था, जिसे शायद अंदाजा भी नहीं था कि जिस खंभे के सहारे उसने साइकिल खड़ी की है, वही उसकी मौत का कारण बन जाएगा। शादी की चमक-दमक के बीच की गई यह लापरवाही अब मृतक मनीराम के परिवार के लिए जिंदगी भर का दर्द बन गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं विद्युत विभाग ने लोगों से बारिश और तेज हवा के दौरान बिजली के खंभों, झूलते तारों और खुले विद्युत उपकरणों से दूर रहने की अपील की है।

20 वर्षीय चालक की दबकर मौत, बर्माडांग के पास हुआ हादसा

गुम्मों से भरा ट्रैक्टर बना दर्दनाक मौत का कारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

जिले के दिगौड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बर्माडांग में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। गुम्मों से भरा एक ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसके नीचे दबने से 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

परिजनों के द्वारा गंभीर हालत में युवक को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बर्माडांग निवासी 20 वर्षीय अभिषेक पाल सोमवार सुबह ट्रैक्टर लेकर निकला था। ट्रैक्टर में गुम्मे भरे हुए थे और वह गांव के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि चालक अभिषेक ट्रैक्टर के नीचे दब गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रैक्टर पलटते ही युवक की चीख सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद युवक को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक वह गंभीर रूप से घायल हो चुका था। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में घायल युवक को जिला अस्पताल लेकर गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जैसे ही मौत की खबर परिजनों को मिली, अस्पताल परिसर में चीख-पुकार मच गई। मां-बाप और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बताया जा रहा है कि हादसे में शामिल ट्रैक्टर ग्राम बर्माडांग निवासी हननू अहिरवार का है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ट्रैक्टर तेज रफ्तार के कारण पलटा या सड़क की स्थिति हादसे की वजह बनी। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। दिगौड़ा पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि हादसे के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया हमलावर मोर

टीकमगढ़। जिले के दिगौड़ा कस्बे में एक खेत पर पिछले तीन दिनों से डेरा जमाए बैठे तीन मोरों में से एक मोर लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया। हमलावर मोर ने दो महिलाओं और एक तीन वर्षीय बच्चे को काट लिया, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद वन विभाग ने तीन दिन तक कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन जैसे ही मामला सोशल मीडिया पर उछला तब विभाग हरकत में आ गया।

जानकारी के अनुसार दिगौड़ा कस्बे में चौड़ा स्कूल के पीछे दोर गांव जाने वाले मार्ग पर किसान गणेश चढ़ार के खेत में पिछले तीन दिनों से तीन मोरों का डेरा जमा हुआ था। इनमें से एक मोर अचानक आक्रामक हो गया और उसने सुखवती चढ़ार, शाकिल्या चढ़ार तथा एक तीन साल के मासूम बच्चे को काट लिया। घटना के बाद आसपास के लोगों में भय का माहौल बन गया और ग्रामीण खेत की ओर जाने से भी बचने लगे। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों को सूचना भी दे दी थी, लेकिन सोमवार तक वन विभाग की कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची। इससे लोगों में वन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी बढ़ गई। स्थानीय लोगों ने मांग की थी कि जल्द से जल्द मोरों का रेस्क्यू कराया जाए, ताकि कोई बड़ी घटना न हो। मामला तब तूल पकड़ गया जब उक्त मामले को सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। इसके बाद वन विभाग के अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए तत्काल रेस्क्यू टीम को मौके पर रवाना किया। वन विभाग की टीम ने किसान गणेश चढ़ार के खेत से मोरों का सुरक्षित रेस्क्यू किया और लोगों को काटने वाले आक्रामक मोर को पकड़कर अपने साथ ले गई। जिसके बाद पीड़ति ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

सड़क पर उतरे अफसर, डिवाइडरों से नालियों तक सफाई अभियान

कलेक्टर के निर्देश पर नपा प्रशासन ने कलेक्ट्रेट रोड से न्यू बस स्टैंड तक हटाया कचरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

स्वच्छता सर्वेक्षण और नाली सफाई अभियान को लेकर नगर पालिका प्रशासन अब पूरी तरह मैदान में उतर आया है। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी नगर पालिका अध्यक्ष अंजली शर्मा तथा सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया ने सोमवार को शहर का भ्रमण कर सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कई स्थानों पर तत्काल सफाई अभियान चलवाया।

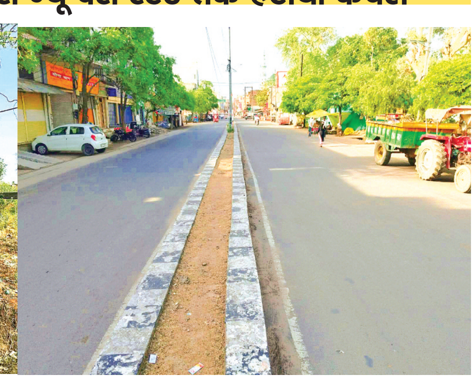

अभियान के दौरान मिश्रा तिराहे से लेकर कलेक्ट्रेट तक रोड डिवाइडरों की विशेष सफाई कराई गई तथा डिवाइडर के दोनों ओर जमा कचरे को तत्काल हटवाया गया। इसी प्रकार अंबेडकर चौराहे से न्यू बस स्टैंड तक डिवाइडरों की सफाई कर कचरा उठवाया गया। नगर पालिका टीम ने मुख्य मार्गों के सभी डिवाइडरों के अंदर जमा गंदगी साफ करवाई, वहीं मैन रोड की नालियों की सफाई कराकर निकले कचरे को तुरंत उठवाया गया। अन्य वार्डों में भी नाली सफाई अभियान चलाकर जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाने का प्रयास किया गया। शहर भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने वार्डवासियों की पेयजल समस्याओं का भी मौके पर निराकरण कराया। साथ ही लोगों को समझाइश दी गई कि अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, कचरा सड़कों और नालियों में न फेंकें तथा नगर पालिका की कचरा गाड़ी में ही कचरा डालें। नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि लगातार सफाई अभियान चलाकर शहर में स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा। इस दौरान नगर पालिका के सहायक वर्ग-3 कर्मचारी विजय यादव, जलकर सहायक अनिल श्रीवास्तव, सफाई प्रभारी हवालदार राकेश बाल्मीकि सहित अन्य सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।

हथियार सहित युवक गिरफ्तार कट्टा व कारतूस बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पलेरा

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पलेरा पुलिस ने एक युवक को अवैध देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी क्षेत्र में हथियार लेकर घूम रहा था, जिसकी सूचना मुखबिर द्वारा पुलिस को दी गई थी।

विशेष अभियान में पलेरा पुलिस को मिली सफलता

पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह एवं एसडीओपी जतारा अभिषेक गौतम के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 मई को थाना पलेरा पुलिस को सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार लेकर क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए टीम गठित कर घेराबंदी की और संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम बुजेंद्र कुमार रैकवार निवासी ग्राम खेरा, थाना पलेरा बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का एक देशी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना पलेरा में धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को न्यायालय जतारा में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में पलेरा थाना प्रभारी प्रीति भार्गव, प्रधान आरक्षक परशुराम रजक, आरक्षक ललित कुशवाहा, लक्ष्मण पटेल, प्रवीण पटेल, संतोष चक्रवर्ती, अजय राजपूत, दीपक मिश्रा, नरेंद्र पटेल एवं एनआरएस विजय वर्मा की भूमिका रही।

जिला चिकित्सालय में दिलाई गई अग्नि सुरक्षा की शपथ

अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तहत डॉक्टरों व कर्मचारियों ने लिया जागरुकता का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

स्वास्थ्य विभाग द्वारा अस्पतालों, क्लीनिकों एवं स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव और सुरक्षा मानकों को मजबूत करने के उद्देश्य से 4 से 10 मई तक अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला चिकित्सालय में सिविल सर्जन डॉ. अमित शुक्ला के मार्गदर्शन में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अस्पताल के डॉक्टरों एवं कर्मचारियों ने अग्नि सुरक्षा के प्रति सामूहिक शपथ लेते हुए संकल्प लिया कि वे अस्पताल परिसर में अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन करेंगे तथा स्वयं जागरूक रहकर अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक बनाएंगे। सहायक प्रबंधक डॉ अंकुर साहू ने मरीजों के साथ आए परिजनों को आग लगने की स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थानों पर सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया बेहद आवश्यक होती है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने यह भी संकल्प लिया कि

वे अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करेंगे, सुरक्षा संबंधी नवाचारों को अपनाएंगे तथा अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। इस दौरान बताया गया कि सभी के सहयोग से जिला चिकित्सालय को एक सुरक्षित एवं विश्वासपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित वातावरण में स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। कार्यक्रम में डॉ डी डीएस भदौरिया, डॉ आभा सिंह मेटरनिटी वार्ड प्रभारी, डॉ शालू जोहरी, डॉ मेघा खरे, डॉ विनय सोनी, डॉ अजय चौरासिया, सरोज प्रजापति, एमएच कोऑर्डिनेटर कंचन तिवारी, शेख मकबूल, ज्योति घोष, इन्फेक्शन कंट्रोल नर्स रागिनी पाठक सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

घर में घुसकर महिला से मारपीट

ललितपुर। थाना कोतवाली अंतर्गत ग्राम जिजयावन बालाढाना में एक महिला के साथ उसके घर में घुसकर मारपीट और अभद्रता का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर एक दंपति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम जिजयावन बालाढाना निवासी विमला पत्नी राजबहादुर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव की ही बृजेश कुमारी और उसके पति राजू के साथ उनके परिवार का पुराना विवाद चल रहा है। पीड़िता का आरोप है कि शनिवार 2 मई को आरोपी दंपती उसके घर आ धमके और बिना किसी कारण के उसे गालियां देने लगे। विरोध किया, तो बृजेश कुमारी और उसके पति राजू ने मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर जब पीड़िता की बहू राधिका उसे बचाने आई, तो आरोपी उसे और विमला को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

जय अंबे रक्तदान समिति के बुड़वार ने 12वीं, शत्रुघ्न ने 64वीं बार रक्तदान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ललितपुर

मेडिकल कॉलेज मे भर्ती गंभीर बीमारी से ग्रसित जरूरतमंद महिला मरीज शकुंतला दुबे चौबयना को शत्रुघ्न शुक्ला ने 64 वीं बार किया रक्तदान तो वही लंबरदार पं माधव सुनील चौबे बुढवार ने जरूरतमंद महिला मरीज को अपना जीवन रूपी ब्लड रक्तदान किया दोनों रक्त वीरों ने रक्तदान के उपरांत सभी नवयुवकों से अपील करते हुए कहा की आवश्यकता पड़ने पर जरूरतमंद को जीवन रूपी ब्लड रक्तदान अवश्य करें रक्तदान करने से स्वास्थ्य संबंधी अनेकों लाभ होते है दोनों जरूरतमंदों के परिजनों ने समिति सहित दोनों रक्त वीरों का धन्यवाद आभार व्यक्त किया मौके पर समिति के अध्यक्ष दीपक राठौड़ समाजसेवी कन्हैया लाल रजक पंडित सोनू दुबे चंद्रशेखर राठौर पत्रकार शंभू राठौर ने रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन किया।

शिवपुरी कुंडेश्वर धाम पंचायत की पहल, टॉपर बेटी को सौंपी सरपंच की कमान

97% अंक लाने वाली प्राची बनी एक दिन की सरपंच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

जिले की ग्राम पंचायत शिवपुरी कुण्डेश्वर धाम में सोमवार को शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अनोखी और प्रेरणादायक पहल की गई। 10वीं बोर्ड परीक्षा में गणित में 100 में से 100 और कुल 97 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले का नाम रोशन करने वाली छात्रा प्राची अहिरवार को एक दिन के लिए ग्राम पंचायत शिवपुरी कुंडेश्वर धाम के सरपंच पद की कमान सौंपी गई।

जिले में यह पहला अवसर माना जा रहा है जब किसी बोर्ड टॉपर बेटी को इस तरह का सम्मान दिया गया है। जिससे अब इस तरह की पहल जिले में अन्य जगह भी अपनाये जाने की संभावना व्यक्त करते हुये

कहा जा रहा है कि इस तरह की पहल अपनाने से अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी। प्राची अहिरवार ने बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खास पहचान बनाई है। उन्होंने गणित जैसे कठिन विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

पंचायत भवन में आयोजित सरपंच छात्रा सम्मान समारोह के दौरान वर्तमान सरपंच रीना खटीक ने औपचारिक रूप से प्राची को सरपंच की कुर्सी सौंपी। एक दिन की सरपंच बनी प्राची ने भी पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने गांव में स्वच्छता जागरूकता अभियान के तहत कचरा वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और ग्रामीणों से संवाद करते हुए शिक्षा के महत्व तथा गांव के विकास को लेकर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान सरपंच रीना खटीक ने कहा कि प्राची की यह उपलब्धि गांव और जिले की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा बनेगी। उन्होंने कहा कि बेटियां यदि अवसर पाएंगी तो हर क्षेत्र में नया इतिहास रच सकती हैं। वहीं प्राची अहिरवार ने अपने संबोधन में कहा कि बेटियां आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उन्हें अवसर और प्रोत्साहन मिले तो वे देश के हालात बदलने की क्षमता रखती हैं। उन्होंने कहा कि मेहनत और शिक्षा ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। इस अवसर पर जनपद सदस्य, उपसरपंच, पंचायत सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कागजों में जी रामजी दूसरे शहरों में मजदूरी कर रहे मजदूर

काम की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन, फिर भी मजदूरी के लिए पलायन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

विकसित भारत-जी राम जी योजना', जिसे आधिकारिक तौर पर विकसित भारत-रोजगार की गारंटी और आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल, 2025 कहा गया है, मनरेगा के स्वरूप को थोड़ा बहुत बदलाव कर इसे लागू करने वाली सरकार का दावा है कि यह योजना अब बदले स्वरूप के साथ मजदूरों के रहन सहन और आजीविका बढ़ाने मे मील का पत्थर साबित होगी लेकिन अभी तक इस योजना में नाम बदलने से अधिक कुछ दिखा नहीं है, पहले भी हजारों मजदूर काम के जिले से देश के दूसरे शहरों के लिए पलायन करते थे आज भी कर रहे हैं।

श्योपुर जिले के कराहल और विजयपुर विकासखंड में रोजगार के लिए पलायन गम्भीर समस्या है। आदिवासी क्षेत्र कराहल और विजयपुर के ही लगभग 80 गांवों से हर साल फसल कटाई के लिए लगभग 10 हजार परिवार श्योपुर क्षेत्र के साथ ही राजस्थान की ओर पलायन करते हैं। इनमे से अधिकतर मजदूर आज भी खेतों में डेरा डाले पड़े हुए हैं. हर साल फरवरी के अंत में इनका पलायन शुरू होता है और अप्रेल के अंत मे और मई के शुरुआत मे लोटते हैं। हालांकि फसल कटाई के लिए होने वाला ये पलायन इन मजदूरों के लिए एक परंपरा सी बन गया है, लेकिन जब ये लौटते हैं तो इनके अधिकांश बच्चे कुपोषण का शिकार हो जाते हैं, साथ ही अन्य बीमारियां बच्चों व मजदूरों को जकड़ लेती हैं। वहीं पलायन के चलते इनके गांव के गांव खाली नजर आते हैं। हालांकि जनप्रतिनिधि और नेता क्षेत्र में वनोपज आधारित किसी उद्योग धंधे की वकालत करते तो नजर आते हैं, लेकिन इस दिशा में कोई प्रयास करते नहीं दिखते। यही वजह है कि रोजगार की तलाश में इन चेतुआ मजदूरों के अलावा भी क्षेत्र के सैकडों आदिवासी परिवार और एकल युवा भी जयपुर, अजमेर, जेसलमेर अहमदाबाद, सूरत जैसे शहरों में मजदूरी करने को मजबूर हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि इनको रोजगार का सपना दिखाकर वोट हासिल करने वाले नेता मनरेगा जैसी योजना पर विधानसभा और लोकसभा में चर्चा तक नहीं करते।

फसल कटाई के समय योजना बंद रहना सही या गलत!

जीरामजी योजना में भले ही मनरेगा से 25 दिन अधिक काम देने के गारंटी दी गई हो मनरेगा में जहां 100 दिन के काम की गारंटी दी गई थी वहीं जी राम जी में 125 दिनों के काम की गारंटी दी है और मनरेगा की तरह ही काम नहीं मिलने पर यहां मजदूरों को बेरोजगारी भत्ता देने का नियम है पर साथ ही साल में 60 दिन काम बंद रखने का प्रावधान भी जी रामजी मे किया गया है. वर्षाकाल मे 60 दिन लगातार काम बंद रखा जाता है और यही समय होता है जब मजदूरों को काम की अधिक जरूरत होती है. ऐसी स्थित मे बाहर मजदूरी मिलना बंद हो जाने से उन्हें गांव में काम की अधिक जरूरत होती है. लेकिन यहां ना काम मिलता है और ना ही काम बंद होने के दौरान बेरोजगारी बता दिए जाने का प्रावधान है।

सौगात नहीं बन सका जी रामजी

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए (मनरेगा) का नाम बदलने के साथ में सरकार ने रुपए प्रति दिन मजदूरी की बढ़ोतरी की सौगात भी देश भर के मजदूरों को दी है। हालांकि इस सौगात के बावजूद मजदूरों को बाजार से आधी रेट ही मजदूरी की मिल रही है और श्योपुर जैसे रोजगार के क्षेत्र में पिछड़े जिले में तो इस योजना के तहत मजदूरों को अपने ही गांव में 125 दिन की मजदूरी देने की गारंटी भी मखौल बनी हुई है क्षेत्र के मजदूरों को मजदूरी के लिए राजस्थान, गुजरात, दिल्ली जाना पड़ता है जहां मजदूरी कर वह परिवार के लिए पैसे भेजते हैं। प्रश्न यह उठ रहा है कि जब मजदूर साल के 365 दिन पलायन में गुजार रहे हैं तो फिर सरकार की 125 दिन मजदूरी की गारंटी किसके लिए है?।

इनका कहना है...

मेरे चाचा बीते 20 सालों से जयपुर में रहकर मजदूरी कर रहे हैं वहां मजदूरी के करीब हजार रुपए रोज मिल जाते हैं हमें गांव में तो क्या जिला मुख्यालय पर भी मजदूरी नहीं मिल रही है इसलिए मैं भी चाचा के साथ जयपुर में मजदूरी को जा रहा हूं।

राकेश आदिवासी
निवासी भेला भीमलत

इन दिनों जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जलावर्धन से जुड़े कामों को प्राथमिकता से कराया जा रहा है। काम की डिमांड पहले ही ली जा चुकी थी मजदूरों को मांग अनुसार काम मिल रहा है। कुछ ग्रामीण परंपरागत मजदूरी के बजाए दूसरे कामों के लिए दूसरे शहरों में जाते हैं जो कम्पनियो मे काम करते हैं। इसे मजदूरी के लिए पलायन नहीं कह सकते हैं।

सौम्या आनंद
सीईओ जिला पंचायत श्योपुर

मेडिकल कॉलेज रोड सहित मानपुर पुल 15 दिवस में पूर्ण होंगे

नाव घाटों पर नजर रखें,बाल रोग विशेषज्ञों की पद स्थापना का प्रस्ताव भेजें: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

जिले के रामेश्वर घाट सहित अन्य सभी नाव घाटों पर नजर रखी जायें तथा वहां नावों का संचालन होने पर लाईसेंस और निर्धारित एसओपी अनुसार समीक्षा की जायें। संबंधित एसडीएम द्वारा नियमों का पालन कराया जाये तथा बगैर लाइफ जैकेट और अन्य सुविधाओं के नावों के संचालन पर कडी कार्यवाही सुनिश्चित की जायें। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कराहल एवं विजयपुर में शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदस्थापना के लिए उनके माध्यम से प्रस्ताव स्वास्थ्य संचालनालय को भेजा जायें।

यह निर्देश कलेक्टर शीला दाहिमा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक को संबोधित करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सौम्या आनंद, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, एसडीएम श्योपुर गगन सिंह मीणा, कराहल बीएस श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर संजय जैन एवं विजय शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने एनएचआई के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभिन्न मोड एवं आबादी क्षेत्र आदि स्थानों पर संकेतक लगाये जायें तथा ब्लैक स्पोट के रूप में चिन्हित स्थानों पर वाहन चालको के लिए सुरक्षा चिन्ह अंकित किये जायें। इसके साथ ही ब्लैक स्पोट को समाप्त करने के लिए तकनीकी उपाय सुनिश्चित किये जायें। पुल निर्माण कार्यो की समीक्षा के दौरान सेतु निर्माण विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि मेडिकल कॉलेज रोड तथा मानपुर पुल का कार्य 15 दिन के अंदर पूर्ण कर लिया जायेगा।

कलेक्टर शीला दाहिमा ने जनगणना कार्य की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि 5 मई तक 10 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया जायें, एसडीएम अपने स्तर से कार्य पर निगरानी रखेंगे तथा जनगणना निदेशालय के अनुसार मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 20 मई तक पूर्ण कर ली जायें। उन्होंने निर्देश दिये कि स्कूल चलो अभियान के तहत शत प्रतिशत ड्रॉपआउट बच्चों को स्कूल खुलने पर प्रवेश दिलाने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जायें, इसके पूर्व ड्रॉपआउट बच्चों का चिन्हांकन कर प्रवेश पूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित की जायें। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई तथा लोक सेवा अंतर्गत आवेदनों के समय सीमा में निराकरण की समीक्षा की गई।

सात दिन में बिना हेलमेट बाइक चलाते 365 बाइक सवार पकड़े, वसूला 109500 का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

सडक हादसो को रोकने के मकसद से जिले में चलाए जा रहे हेलमेट लगाओ अभियान के तहत पुलिस लगातार दो पहिया वाहनों की चैकिंग कर रही है और बिना हेलमेट बाइक चलाते हुए पकडे जा रहे बाइक सवारो पर जुर्माना भी ठोक रही है। यातायात थाना पुलिस जहां शहर समेत जिले के अन्य सडक मार्गो पर भी चैकिंग प्वाइंट लगाकर बिना हेलमेट बाइक चलाने वाले बाइक सवारो को समझाइस देने के साथही उन पर जुर्माना भी कर रही है। वहीं जिले के अन्य थानों की पुलिस भी इस अभियान को लेकर कार्रवाई कर रही है। यातायात थाना प्रभारी संजय सिंह राजपूत ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल के निर्देशन में 26 अप्रैल से शुरू किए गए इस अभियान के तहत सप्ताहभर के दौरान जिले में 365 बाइक सवार बिना हेलमेट बाइक चलाते हुए पकडे गए है। जिनके खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई करते हुए उनसे 1 लाख 09 हजार 500 रूपए का जुर्माना वसूला है। यह अभियान 10 मई तक जारी रहेगा। उन्होने दुपहिया वाहन चालको को समझाइस दी है कि वे हेलमेट लगाकर बाइक को संचालन करें,अन्यथा चालानी कार्रवाई की जाएगी।

माइनिंग के संबंध में जिला टॉस्क फोर्स की बैठक आयोजित

अवैध परिवहन रोकने अफसर सख्त रेंडमली चेकपोस्ट बनाकर होगी सर्चिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

कलेक्टर शीला दाहिमा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित माइनिंग जिला टॉस्क फोर्स की बैठक में निर्देश दिये कि खनिज के अवैध परिवहन पर कडी कार्रवाई सुनिश्चित की जायें। राजस्थान से लगे क्षेत्रो में निगरानी रखी जायें और संभावित माईनिंग क्षेत्रों में निरंतर सर्चिंग की जायें। कलेक्टर शीला दाहिमा ने कहा कि रेत सहित अन्य खनिजों के अवैध परिवहन को रोकने के लिए पुलिस, माईनिंग, राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त टीम गठित की जायें। उन्होंने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि ट्रेक्टरों पर रेडियम एवं वाहन नंबर लगाये जायें। उन्होंने निर्देश दिये कि अवैध परिवहन एवं भण्डारण के दौरान जब्त किये गये रेत और अन्य खनिज का विनिष्टिकरण सुनिश्चित किया जायें। इसी प्रकार वन क्षेत्र में भी वन विभाग द्वारा निगरानी सुनिश्चित की जायें। एसपी सुधीर अग्रवाल ने कहा कि थाना प्रभारियों के साथ टीमें बनाई जायेंगी और अवैध परिवहन को रोकने के लिए रेंडमली चैकपोस्ट बनाकर सर्चिंग की जायेगी। अवैध परिवहन के मार्गो पर संयुक्त दल द्वारा कडी निगरानी रखे जाने के निर्देश भी दिये गये। बैठक में डीएफओ सामान्य केएस रंधा, कूनो आर थिरूकुराल, एसडीएम गगन सिंह मीणा, जिला खनिज अधिकारी राजेश कुमार गंगेले आदि भी मौजूद थे।

सुनवई में दो बाइको की भिडंत में एक की मौत, दो रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

विजयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सुनवई में बीती रात को दो बाइको की आमने सामने से भिडंत हो गई। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो लोग घायल हो गए,जिन्हें गंभीर हालत में विजयपुर अस्पताल से ग्वालियर के लिए रैफर कर दिया है। पुलिस के मुताबिक ग्राम सुनवई निवासी रानू कुशवाह 22 वर्ष पुत्र प्रेमनारायण कुशवाह और उसका भाई उमेश कुशवाह रविवार की रात को प्रहलादपुरा में रिश्तेदार के यहां आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वापस अपने गांव जा रहे थे, तभी गांव के नजदीक उनकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से भिड गई। दूसरी बाइक पर अंधपुरा निवासी व्यक्ति सवार था। भिडंत इतनी जबरदस्त थी कि दोनो बाइकों पर सवार तीनो लोग गंभीर घायल हो गए। जब उन्हें इलाज के लिए डायल 112 की मदद से विजयपुर अस्पताल में दाखिल कराया गया तो डॉक्टरों ने रानू कुशवाह को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल उमेश कुशवाह और दूसरी बाइक पर सवार व्यक्ति को हालत गंभीर होने पर ग्वालियर के लिए रैफर कर दिया गया। पुलिस ने एक्सीडेंट का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

ई अटेंडेंस नहीं लगाने और सेवा पुस्तिका ऑनलाइन नहीं कराने को बनाया आधार

डीईओ के फरमान से हंगामा, 19 प्रिंसिपल सहित कई शिक्षकों का रोका वेतन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

जिला शिक्षा अधिकारी यश जैन द्वारा जिले के समस्त शिक्षकों और 19 संकुल प्रिंसिपलों के वेतन रोकने के निर्देश से जिले में हंगामा मच गया है. इस मामले को लेकर शिक्षक संगठनों ने भोपाल तक फोन लगाकर डीईओ की शिकायत करते हुए वेतन रोकने पर आंदोलन की चेतावनी दी है अगर ऐसा हुआ तो जनगणना जैसा महत्वपूर्ण और अतिआवश्यक कार्य का भी प्रभावित होने की आशंका है।

हमारे शिक्षक ऐप पर ई अटेंडेंस नहीं लगाने को लेकर जो आदेश जारी किया है उसमें जिले के 19 संकुल प्रिंसिपलों को शत प्रतिशत ही अटेंडेंस नहीं लगवाने पर नाराजगी जताते हुए उनके खुद के सहित उनके संकुल अंतर्गत आने वाले शिक्षकों के वेतन पत्रक नहीं बनाने के निर्देश जारी कर दिए हैं. सेवा पुस्तिका ऑनलाइन सत्यापन में देरी करने वाले शिक्षकों के भी वेतन नहीं बनाने के निर्देश दिए गए हैं. इसमें वह शिक्षक भी आ रहे हैं जो इमानदारी के साथ रोज टाइम टू टाइम स्कूल पहुंच कर ऑनलाइन उपस्थिति लगा रहे हैं शिक्षक संगठनों का कहना है कि कुछ शिक्षकों की गलती की सजा पूरे शिक्षकों को नहीं दी जा सकती है जो शिक्षक इस काम में देरी कर रहे हैं उन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किया जाना चाहिए था सभी शिक्षको का वेतन रोका जाना ठीक नहीं है ऐसे समय में जब जनगणना जैसा महत्व काम शिक्षकों के जिम्मे हो शिक्षक संगठनो का कहना है कि अधिकतर शिक्षको द्वारा लोन लिया हुआ है वह समय पर किस्त नहीं भरेंगे तो उनकी सिविल बैंक में खराब हो सकती है।

क्या है शासन के निर्देश

मध्य प्रदेश में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) द्वारा शिक्षकों के वेतन को लेकर समय-समय पर विभिन्न आदेश जारी किए जाते हैं। हालिया संदर्भ में, वेतन न रोकने और ई-अटेंडेंस से जुड़ी प्रमुख बातें इस प्रकार हैं:ई-अटेंडेंस के कारण वेतन न रोकने का निर्देश: आयुक्त लोक शिक्षण ने स्पष्ट किया है कि केवल 'हमारे शिक्षक ऐप' पर उपस्थिति न लगने के आधार पर सीधे तौर पर शिक्षकों का वेतन नहीं रोका जा सकता है।अतिथि शिक्षकों का वेतन: लोक शिक्षण ने निर्देश जारी किए हैं कि अतिथि शिक्षकों का वेतन ई-अटेंडेंस के अनुसार समय पर आहरित किया जाए।

इनका कहना है...

बीते माह ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के कारण ई अटेंडेंस कम दिखाई दे रही है यह बात मैंने डीईओ सर को बता दी है वह इससे सहमत भी हैं कर्मचारियों को समय पर वेतन मिले इसके लिए कल डीईओ ऑफिस पहुंचकर चर्चा करूंगी उम्मीद है सभी को समय पर वेतन मिल जायगा. लेकिन ई अटेंडेंस के मामले में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी.

मधु शर्मा
बीईओ एवं डीडीए अधिकारी

जिस तरह से वेतन रोक कर शिक्षकों में दहशत फैलाने का काम किया है उससे शिक्षक नाराज हैं मेने भोपाल में डीपीआई में बात की है साथ ही हमारे प्रदेश नेतृत्व को भी इससे अवगत करा दिया है. सभी ने शिक्षको का इस तरह वेतन रोके जाने को गलत माना है. अगर समय पर वेतन नहीं दिया गया तो हम आंदोलन करेंगे इस मामले में अगर जनगणना का काम प्रभावित होता है तो इसके जिम्मेदार डीईओ होंगे

रामचरित रावत
जिलाध्यक्ष राज्य अध्यापक संघ श्योपुर

नॉर्मल हुई डिलीवरी,वजन काफी कम होने से चारों बच्चे डॉक्टरों की विशेष निगरानी में

अनोखा मामला: श्योपुर अस्पताल में महिला ने एक साथ दिया 4 बच्चों को जन्म, जिनमें दो बेटा और दो बेटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

श्योपुर जिला अस्पताल में रविवार सोमवार की दरमियानी रात एक दुर्लभ और चौंकाने वाला मामला सामने आया है जहां एक 19 वर्षीय महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया है। इनमें दो दो बेटे और बेटियां शामिल हैं। विशेष बात यह है कि प्रसूता महिला की डिलीवरी तो नॉर्मल तरीके से हुई है,लेकिन चारो बच्चों का वजन काफी कम है, इसलिए चारो नवजात बच्चों को एसएनसीयू में डॉक्टरों की विशेष निगरानी में रखा गया है। एक साथ चार बच्चों के जन्म की खबर से जहां परिवार में खुशियों का माहौल है, वहीं पूरे क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।

जानकारी के अनुसार वीरपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम भैरूपुरा निवासी पूजा सुमन 19 वर्ष पत्नी हुकुम सुमन की पहली डिलीवरी है। बताया जा रहा है कि पूजा और उसके परिवार के लोग जयपुर में रहते है और मजदूरी करते है। प्रसूता का सातवां महिना होने के चलते यह लोग रविवार को अपने गांव जाने के लिए जयपुर से लौटकर श्योपुर आ गए। श्योपुर में जब प्रसूता पूजा को दर्द हुआ तो परिवार के लोगो ने उसे रात्रि के दौरान जिला अस्पताल श्योपुर में भर्ती करा दिया। मेटरनिटी वार्ड में ड्यूटी पर मिले डॉक्टर और स्टाफ को सोनोग्राफी जांच रिपोर्ट और चेकअप के दौरान यह पता चल गया है कि प्रसूता के पेट में एक ही नहीं,बल्कि चार बच्चे है। मेटरनिटी वार्ड में भर्ती कराई गई प्रसूता को देर रात करीब 3 से 4 बजे के बीच जब दर्द बढा तो प्रसूता की हालत और संभावित जटिलता को देखते हुए मेटरनिटी वार्ड के ड्यूटी स्टाफ ने स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ प्रदीप शर्मा, डॉ मासूम की देखरेख में विशेष तैयारी के साथ प्रसव कराया। चिकित्सकीय टीम की सतर्कता और कुशल प्रबंधन के चलते प्रसव सफल रहा। करीब घंटेभर के भीतर चारो बच्चों का जन्म नॉर्मल तरीके से हुआ। ऐसे में यह प्रसव सामान्य (नॉर्मल) तरीके से होना और मां व बच्चों का सुरक्षित रहना चिकित्सा दृष्टि से एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह डिलीवरी गर्भावस्था के सातवें महीने में हुई, जो आमतौर पर काफी संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण स्थिति होती है।

परिवार के लोगो में खुशी के साथ चिंता भी

चार बच्चों के जन्म से परिवार के लोगों में खुशी का माहौल है और वे इसे भगवान का आशीर्वाद मान रहे हैं। गांव और आसपास के लोग भी इस खबर को सुनकर आश्चर्यचकित हैं और परिवार को बधाई दे रहे हैं। लेकिन परिवार के लोगो को खुशी के साथ चारो नवजात बच्चों की स्थिति को लेकर भी चिंता सता रही है।परिवार के लोगों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी ऐसा मामला नहीं देखा था और वे चिकित्सकों पर पूरा भरोसा जता रहे हैं और भगवान से भी चारों बच्चे जल्द पूरी तरह स्वस्थ होंने की कामना कर रहे है।

डॉक्टरों की विशेष निगरानी में चारो नवजात बच्चे

नॉर्मल डिलीवरी के दौरान जन्मे चारो बच्चों की स्थिति वजन होने के चलते नाजुक बताई जा रही है। दरअसल सामान्य नवजात बच्चों का वजन करीब ढाई किलो होना चाहिए,लेकिन चारो नवजात बच्चों में से दो नवजात बालको का वजन क्रमशः 980 ग्राम व 780 ग्राम है। जबकि दोनो नवजात बालिकाओ में से एक का वजन एक किलो तथा दूसरी का वजन 890 ग्राम है। वजन काफी कम होने के कारण बच्चों के संभावित खतरे को देखते हुए चारो नवजात बच्चे एसएनसीयू में भर्ती करा दिए गए है। जहां उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में जरूरी उपचार दिया जा रहा है।

श्योपुर में दूसरा चौकाने वाला मामला

जिला अस्पताल में एक साथ चार बच्चो का जन्म होने की घटना दूसरा चौकाने वाला मामला है। क्योंकि इसके पहले फरवरी 2020 में बड़ौदा निवासी मूर्ति (22) पत्नी विनोद माली ने 35 मिनट के भीतर सामान्य प्रसव से 6 बच्चों को जन्म दिया। जिनमें 4 लडके और 2 लडकियां शामिल थी। हालांकि कुछ घंटो के बाद सभी नवजात बच्चों की एक के बाद एक करके मौत हो गई थी, लेकिन यह मामला श्योपुर जिले ही नहीं,अपितु पूरे प्रदेश में चौकाने वाला पहला मामला था।

इनका कहना...

विशेष निगरानी में प्रसूता पूजा की नॉर्मल डिलीवरी कराई गई। डिलीवरी कम समय में होने के चलते नवजात बच्चे काफी कमजोर पैदा हुए है। फिलहाल उनकी स्थिति चिंताजनक है,इसलिए चारो बच्चों को विशेष निगरानी में एसएनसीयू में भर्ती रखकर उन्हें जरूरी उपचार दिया जा रहा है।

डॉ गजेन्द्र धाकड
आरएमओ जिला अस्पताल,श्योपुर

अस्पतालकर्मियों ने ली अग्नि सुरक्षा की शपथ

श्योपुर। 4 से 10 मई तक मनाए जाने वाले अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तहत सोमवार को जिला अस्पताल में मीटिंग हॉल में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सिविल सर्जन डॉ आरबी गोयल के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित अस्पताल कर्मियों के द्वारा अग्नि सुरक्षा शपथ ली गई,साथही आग लगने के संभावित खतरे के बारे में जरूरी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में सहायक प्रबंधक डॉक्टर संजय निगोतिया एवं एमएच कोऑर्डिनेटर अनीता पायल और ऑक्सीजन टेक्नीशियन अंकित शर्मा, नरेश मारू, रिंकू प्रजापति आदि अस्पतालकर्मी मौजूद थे।

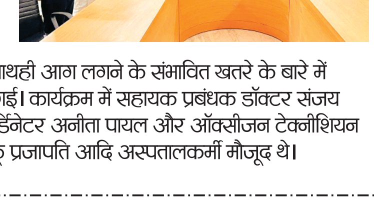

आंगनबाडी कार्यकर्ता पद से पृथक

श्योपुर। प्रभारी परियोजना अधिकारी महिला कराहल सुषमा सोनी द्वारा एसडीएम कराहल के अनुमोदन उपरांत आंगनबाडी कार्यकर्ता सविता धाकड आंगनबाडी केन्द्र कूण्ड-बी को पद से पृथक करने की कार्यवाही की गई है। जारी आदेश के अनुसार शासकीय कार्य में लापरवाही, आंगनबाडी केन्द्र पर नियमित रूप से उपस्थित नही रहने तथा इस संबंध में जारी कारण बताओ सूचना पत्रो का जवाब नही देने के चलते यह कार्रवाई की गई है।

खबर संक्षेप

वाहन की टक्कर से युवक घायल

अशोकनगर। जिले के बहादुरपुर थाने के अंतर्गत बीलाखेडा निवासी हरिओम अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वाहन क्रमांक एमपी 67 जेडई 7267 के चालक ग्राम बेलई के पास अपने वाहन को तेजी व लापरवाही से चलाकर उसे टक्कर मार दी जिससे उसे चोटे आई हैं।

60 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति ने पेड़ पर फांसी लगाई

अशोकनगर। जिले के मुंगावली थाने के अंतर्गत मीरकाबाद में ऊधम सांसी की खेत की मेढ़ के नीचे पेड़ पर एक अज्ञात व्यक्ति ने फांसी लगाकर खुदखुशी कर ली। पुलिस अज्ञात व्यक्ति के नाम की तलाश कर रही है पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज किया है।

खेत में रखे पाइपों में आग लगाने पर मामला दर्ज

अशोकनगर। जिले के मुंगावली थाने के अंतर्गत ग्राम मूडरा निवासी दीपक लोधी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि राजकुमार लोधी ने उसके खेत में रखे पाईपों में आग लगा दी, जिस पर से पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कईं मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम हैदर निवासी नरेश सेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी छोटन रजक ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत निवासी एक 24 वर्षीय युवती प्रियंका ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी विकास ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के शाढौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कांकडा निवासी कुलदीप रघुवंशी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी अवधेश और भोला रघुवंशी ने लोहे की रोड व बेल्ट से उसकी मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कचनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बेरखेडी निवासी मल्थू लोधी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी बुन्देल सिंह और थान सिंह लोधी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खैरा निवासी आशा बाई परिहार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी विवेक परिहार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। हैं। जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के नारोन चक्क अंतर्गत राजराजा लोधी निवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी रामकुमार, लक्ष्मण और रोहित लोधी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत चंदेरी निवासी फाजिल अहमद ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी नाजिम और आमिर खान ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुनकर कॉलोनी चंदेरी निवासी नसीर खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी आरिफ असांरी व रिज्जू अंसारी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

23 घंटे में नाबालिग को बरामद किया

अशोकनगर। थाना कोतवाली की पुलिस ने 23 घंटे में नाबालिग बालिका सकुशल दस्तयाब किया है। ज्ञात हो कि 2 मई 2026 को फरियादी द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी नाबालिग पुत्री को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 270/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा द्वारा थाना प्रभारी कोतवाली को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया यगा। थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा तत्काल टीम गठित कर नाबालिग बालिका एवं अज्ञात आरोपी की तलाश प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि उक्त नाबालिग बालिका अशोकनगर के पुराना बस स्टैण्ड पर संदिग्ध अवस्था में मौजूद है और इंदौर जाने की फिराक में है। पुलिस टीम द्वारा नाबालिग बालिका को पुराना बस स्टैण्ड अशोकनगर से सकुशल बरामद किया गया।

देर तक सड़क किनारे रखा रहा शव, सामने आई लापरवाही

गुदड़ी में लिपटे आदिवासी किशोरी के शव को हाथों में लेकर गए परिजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

बहादुरपुर क्षेंत्र में रविवार दोपहर को डेढ़ बजे जब पारा 40 डिग्री के पार था और जमीन भट्टी जैसे तप रही थी। ऐसी भीषण गर्मी में बहादुरपुर कस्बे में सड़क किनारे एक आदिवासी किशोरी का शव सड़क किनारे गुदड़ी में लिपटा हुआ रखा था। इस शव के पास में किशोरी का भाई और बहनोई खड़े हुए थे।

जिन्होंने बताया कि शनिवार शाम को किशोरी का शव अपने घर में फंदे पर लटका पाया गया था, जिसे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बहादुरपुर लाया गया। चूंकि रात हो चुकी थी इसलिए पोस्टमार्टम रविवार सुबह दस बजे किया गया। इसके बाद परिजनों ने शव को घर तक पहुंचाने के लिए पुलिस, 112 हेल्पलाईन नंबर और जिला अस्पताल के शव वाहन का प्रबंध करने के काफी प्रयास किए साथ ही निजी ऑटो टैक्सी वालों के भी मान-मनौव्वल किए लेकिन करीब साढ़े तीन घंटे तक जब शव को घर तक ले जाने की कोई व्यवस्था नहीं हुई तो उन्हे मजबूरन हाथों में ही उठाकर शव को घर तक ले जाने का मन बनाना पड़ा। परिजन शव को अस्पताल से करीब दो सौ मीटर दूर तक ले आए थे, इतने में इसकी जानकारी आमजनों को हुई तो एक कार की व्यवस्था कर शव को घर तक पहुंचाया गया।

विभागों की लापरवाही सामने आई

इस घटना में पुलिस, स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन की लापरवाही सामने आई है। जिसमें अजा वर्ग की एक किशोरी की संदेहास्पद मौत के बाद भी उसके शव को न तो किसी कपड़े या पॉलीथिन में लपेटा गया और न ही उसे घर तक पहुंचाने के लिए कोई साधन की व्यवस्था की गई। यही नहीं किशोरी के शव को पोस्टमार्टम कक्ष से बाहर तक लाने के लिए स्ट्रेचर एवं वार्ड बॉय नहीं लाए बल्कि परिजन स्वंय उसे हाथों में उठाकर लाए।

महिला पुलिसकर्मी का मौजूद होना जरूरी

मृतक किशोरी के भाई धासीराम आदिवासी ने बताया कि घटना के बाद जब पुलिस को सूचना दी गई तो मौके पर पुरुष पुलिसकर्मी ही पहुंचे थे। कुछ देर बाद तहसीलदार बहादुरपुर भी आ गए। जिनके साथ में शव को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। किशोरी के शव को साथ लाने के लिए कोई महिला पुलिसकर्मी नहीं लाई गई थी। हालांकि रविवार सुबह जब पोस्टमार्टम हो रहा था तब एसडीओपी मुंगावली जरूर अस्पताल में आ गई थीं।

रात भर जागकर खुद की रखवाली

बहादुरपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र परिसर के एक कोने में 64 वर्गफीट का पोस्टमार्टम कक्ष बना हुआ है। इस कक्ष के चारों ओर कचरे के ढेर लगे हैं और नालियों का गंदा पानी जमा रहता है। साथ ही झाड़ भी खड़े हुए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रखवा दिया। लेकिन इसके बाद सारी रात जागकर परिजनों को शव की रखवाली आवारा कुत्तों एवं चूहों से करनी पड़ी। परिजनों ने बताया कि कक्ष में ताला लगा हुआ था लेकिन वहां रखवाली की कोई व्यवस्था नहीं थी।

15 वर्षीय किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

ग्राम खेरोदा चक्क से एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहाँ 15 वर्षीय एक किशोरी ने अपने ही घर में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना के बाद से गांव में मातम पसरा हुआ है। प्राप्त जानकारी और आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, मृतका की पहचान मन्तोबाई, पुत्री रामचरण आदिवासी (उम्र 15 वर्ष), निवासी ग्राम मेकुआ के रूप में हुई है। किशोरी अपने पिता कृष्णा आदिवासी (उम्र 41 वर्ष) के साथ ग्राम खेरोदा चक्क स्थित पक्के मकान में रह रही थी। बताया जा रहा है कि किशोरी ने घर के ही एक पक्के कमरे के भीतर फांसी का फंदा लगा लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सूचना का समय घटना की जानकारी 2 मई को शाम लगभग 03 बजे प्राप्त हुई। मामले की जांच प्रधान आरक्षक कृष्णपाल रघुवंशी और प्रधान आरक्षक 153 सोनू रघुवंशी द्वारा की जा रही है। जांच जारी पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल किशोरी द्वारा उठाए गए इस आत्मघाती कदम के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है ताकि घटना के पीछे की सही वजह स्पष्ट हो सके।

> **इनका कहना है**
>
> पोस्टमार्टम वाले मामलों में शव को अस्पताल तक लाने, उसकी सुरक्षा करने, पोस्टमार्टम कराने एवं पोस्टमार्टम उपरांत शव को घर तक पहुंचाने की व्यवस्था पुलिस की होती है। हमारे अस्पताल में षव वाहन नहीं है, जिला अस्पताल से शव वाहन बुलाने के प्रयास कई बार किए हैं जो असफल साबित हुए।
>
> डॉ. यशवंत सिंह तोमर, सेक्टर मेडिकल ऑफिसर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बहादुरपुर

पं. प्रदीप शास्त्री ने प्रवचन में कहा

पार्श्वनाथ की महिमा धार्मिक ही नहीं, जीवन को देती है सही दिशा

बीना। छोटी बजरिया स्थित श्री 1008 पारसनाथ दिगंबर पंचायती जैन मंदिर पारसधाम में भगवान श्री पार्श्वनाथ का भव्य महामस्तकाभिषेक, शांतिधारा के साथ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में प्रातः संपन्न हुआ। युक्त आयोजन नवाचार्य श्री समयसागर महाराज एवं मुनि श्री 108 सरलसागर महाराज के आशीर्वाद तथा बाल ब्रह्मचारी संदीप सरल के निर्देशन में एवं पंडित प्रदीप शास्त्री के सानिध्य में संपन्न हुआ।

प्रथम अभिषेक का सौभाग्य ऋषभ कुमार चौधरी परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं प्रथम शांतिधारा इंजीनियर पारस कुमार जैन एवं राजेश कुमार जैन (गढ़ाकोटा वाले) को प्राप्त हुई। अभिषेक का पुण्य लाभ डॉ. महेंद्र जैन, शरद कुमार जैन, नमन जैन, सम्यक कुमार, सुनील कुमार जैन, अनिल जैन, सौरभ जैन, काव्यांश, बाबूलाल, प्रवीण कुमार, अरुण कुमार जैन एवं कमलचंद जैन को प्राप्त हुआ। मुख्य अभिषेक के पश्चात सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भी भगवान का अभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इसके उपरांत गंजबसौदा के संगीतकार हेमंत एंड पार्टी द्वारा भगवान पार्श्वनाथ की भक्ति में संगीतमय आरती प्रस्तुत की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के दौरान पंडित प्रदीप शास्त्री (बीना) ने अपने प्रवचन में भगवान पार्श्वनाथ की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि जो भक्त श्रद्धा और भक्ति से उनका स्मरण करता है, उसके जीवन के दुख, भय और कष्ट दूर हो जाते हैं। भगवान पार्श्वनाथ को विशेष रूप से संकटों को दूर करने वाले एवं शांति प्रदान करने वाले तीर्थंकर के रूप में पूजा जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि पारस धाम में प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को महामस्तकाभिषेक का आयोजन किया जाता है। भगवान के दर्शन से मन की शुद्धि होती है और आत्मा को शांति प्राप्त होती है।

भगवान पार्श्वनाथ की महिमा केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली है, जो हमें सत्य, अहिंसा और आत्मकल्याण का मार्ग दिखाती है। कार्यक्रम के अंत में पुण्यार्जक डॉ. महेंद्र द्वारा सभी आगंतुकों को आहार

बीना के खिलाड़ियों में संसाधनों के अभाव के बीच दिखा हॉकी का जुनून

एक साल से 25 बच्चे ले रहे निशुल्क हॉकी का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

देश का राष्ट्रीय खेल हॉकी जहां एक समय भारत की पहचान हुआ करता था, वहीं आज उसे पुनर्जीवित करने के लिए बड़े स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन इसी बीच बीना शहर में एक सराहनीय पहल पिछले एक वर्ष से जारी है, जहां बिना किसी सरकारी सहायता के बालक-बालिकाओं को निशुल्क हॉकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में 7 से 15 वर्ष आयु वर्ग के कुल 25 बच्चे जिनमें 17 बालक और 8 बालिकाएं नियमित रूप से भाग ले रहे हैं। खास बात यह है कि बच्चों को न सिर्फ प्रशिक्षण दिया जा रहा है, बल्कि उन्हें हॉकी स्टिक, बॉल और जरूरतमंद खिलाड़ियों को जूते व शिनगार्ड भी मुफ्त में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस पहल को आगे बढ़ा रहे कोच मंगेश रजक का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल बच्चों को खेल सिखाना नहीं, बल्कि उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और देश के लिए कुछ करने का जज़्बा पैदा करना है। वे कहते हैं हमारी कोशिश है कि बीना से भी ऐसे खिलाड़ी निकलें जो राष्ट्रीय स्तर पर खेल कर शहर एवं देश का नाम रोशन करें।

हालांकि, इस नेक प्रयास के सामने सबसे बड़ी चुनौती मूलभूत सुविधाओं की कमी है। बीना जैसे औद्योगिक शहर में आज भी बच्चों के खेलने के लिए कोई व्यवस्थित खेल मैदान उपलब्ध नहीं है। बच्चे मजबूरी में पुराने आरपीएफ ग्राउंड में अभ्यास करते हैं, जो रेलवे की संपत्ति है, जिसकी देखरेख बंद हो चुकी है। मैदान की खराब स्थिति के कारण बच्चों को अक्सर चोटों का सामना करना पड़ता है, फिर भी उनका उत्साह कम नहीं होता। वहीं दूसरी ओर, बीना रिफाइनरी, जेपी पावर प्लांट और पावर ग्रिड जैसे बड़े उद्योगों से करोड़ों रुपये का टैक्स और सीएसआर फंड के बावजूद शहर में खेल सुविधाओं का अभाव गंभीर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां अन्य जिलों में खेल एवं युवा कल्याण विभाग खिलाड़ियों को संसाधन उपलब्ध कराता है, वहीं बीना में यह व्यवस्थाएं सिर्फ कागजों तक सीमित दिखाई देती हैं।

बीना और गुना के बीच मेमू ट्रेन के संचालन को लेकर सुझाव दिए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

यात्री सेवा संगठन, मध्य प्रदेश से जुड़े और पूर्व सदस्य आचार्य ने मेमू ट्रेन (गाड़ी संख्या 61611/12) की समय-सारणी में ऐसा व्यावहारिक और दूरदर्शी प्रस्ताव रखा है, जो न केवल यात्रियों की रोजमर्रा की परेशानियों को कम कर सकता है, बल्कि पूरे क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को नई गति देने की क्षमता रखता है। सुनील आचार्य ने मेमू ट्रेन के चारों फेरों का सुविचारित समय निर्धारण प्रस्तुत किया है। यह प्रस्ताव केवल समय बदलने का सुझाव नहीं, बल्कि हजारों यात्रियों, छात्रों, कर्मचारियों, व्यापारियों और मरीजोंकी जरूरतों का गहन अध्ययन कर तैयार किया गया समाधान है।

पहला फेरा सुबह 5.30 बजे, बीना से प्रस्थान: दिन की शुरुआत को आसान बनाने वाला यह फेरा सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे छात्र समय पर शिक्षण संस्थानों तक पहुंच सकेंगे, कर्मचारी समय पर कार्यस्थल पर उपस्थित हो पाएंगे और व्यापारिक गतिविधियों को समय पर गति मिलेगी। परिणामस्वरूप समय और धन दोनों की बचत होगी तथा उत्पादकता में वृद्धि होगी।

दूसरा फेरा सुबह 8.45 बजे: रुठियाई से बीना, यह फेरा कनेक्टिविटी की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे गुना और रुठियाई के सैकड़ों अप-डाउन करने वाले यात्री समय पर बीना पहुंच सकेंगे और वहां से ग्वालियरदृभोपाल इंटरसिटी, बीनादृनागदा और साबरमती जैसी लंबी दूरी की ट्रेनों से आसानी से जुड़ सकेंगे। यह क्षेत्रीय और अंतर-क्षेत्रीय आवागमन को मजबूती देगा।

तीसरा फेरा दोपहर 3.50 बजे, बीना से रुठियाई: दिनभर काम करने वाले लोगों के लिए यह समय बेहद राहत देने वाला है। कर्मचारी, मजदूर और व्यापारी समय पर घर लौट सकेंगे, जिससे पारिवारिक जीवन में संतुलन आएगा और अनावश्यक देरी व असुरक्षा की स्थिति खत्म होगी।

चैथा फेरा रात 8.40 बजे, रुठियाई से बीना: यह फेरा सबसे ज्यादा प्रभावशाली साबित हो सकता है। इंदौर-कोटा से आने वाले यात्रियों को सीधे कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे उन्हें 8 से 9 घंटे की लंबी प्रतीक्षा से मुक्ति मिलेगी। इससे समय, सुरक्षा और खर्चकृतीनों की बचत होगी, विशेष रूप से छात्रों, मरीजों और व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा।

इंदौर कनेक्टिविटी की बड़ी समस्या का समाधान: आचार्य ने विशेष रूप से इस गंभीर समस्या को उठाया कि इंदौर से लौटने वाले यात्री रुठियाई तक तो पहुंच जाते हैं, लेकिन आगे पगारा, शाढोरा, अशोकनगर, पिपरई और मुंगावली जैसे क्षेत्रों तक नहीं जा पाते क्योंकि शाम 6.30 बजे के बाद कोई ट्रेन उपलब्ध नहीं होती। प्रस्तावित समय-सारणी इस बड़ी समस्या का सीधा समाधान प्रस्तुत करती है, जिससे यात्रियों को निर्बाध यात्रा सुविधा मिल सकेगी।

रेलवे को भी होगा लाभ: यह प्रस्ताव केवल यात्रियों के हित में ही नहीं, बल्कि रेलवे प्रशासन के लिए भी लाभकारी है। सुनील आचार्य ने बताया कि वर्तमान में गाड़ी संख्या 22983/84 के स्टाफ के आवागमन के लिए रेलवे को निजी वाहन पर मासिक खर्च करना पड़ता है। प्रस्तावित समय-सारणी लागू होने पर यह अतिरिक्त खर्च बचाया जा सकता है, जिससे रेलवे के राजस्व में वृद्धि होगी और संचालन अधिक सुव्यवस्थित बनेगा।

जनसमर्थन और उम्मीद: इस पहल को क्षेत्रीय जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। लोगों को उम्मीद है कि रेल मंत्रालय इस जनहितकारी प्रस्ताव को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय करेगा। सुनील आचार्य का यह प्रस्ताव केवल एक ट्रेन के समय में बदलाव नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की जीवन-धारा को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी कदम है।

शहर में ट्रांसफार्मर पर्याप्त संख्या में, पुराने तारों की क्षमता बढ़ाई जा रही

बिजली चोरी रोकने के लिए संभाग में 328 प्रकरण बनाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

अशोकनगर शहर में नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध हो इसके लिए पुराने तारों की क्षमता बढ़ाई जा रही है और वृद्धि का काम किया जा रहा है। जो तार कम क्षमता के थे उनकी क्षमता बढ़ाई जा रही है। बिजली चोरी रोकने के लिए पूरे संभाग में 328 प्रकरण बनाए गए हैं।

30 खम्बे हवा और पानी से प्रभावित हुए

एक दिन पहले जिले में जो हवा और आंधी का दौर चला था उसके कारण 30 खम्बे प्रभावित हुए हैं, जिन पर काम किया जा रहा है कोई भी गांव ऐसा नहीं है जहां बिजली सप्लाई में बांधा हुई हो। कुछ घंटों के लिए जरूर बिजली प्रभावित हुई थी, लेकिन अब पूरी तरह बिजली प्रदान की जा रही है।

बिजली की चोरी रोकने के लिए पिछले माह में 200 मामले दर्ज

बिजली की चोरी रोकने के लिए संभाग में निरंतर अभियान चलाया जा रहा है महाप्रबंधक से लेकर सहायक प्रबंधक और अधीनस्थ अधिकारियों के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया है। पिछले माह में 200 बिजली चोरी के मामले दर्ज किए गए हैं, बिजली चोरी के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है।

शहर के लोगों को पर्याप्त मात्रा में मिल रही है बिजली

अशोकनगर शहर में 24 घण्टे लोगों को बिजली उपलब्ध कराई जा रही है, लेकिन घरेलु तौर पर साढ़े 23 घंटे लोगों को बिजली मिल रही है, 10 घंटे किसानों को तीन केटेगिरी में बिजली दी जा रही है। ट्रांसफार्मरों में तेल चोरी होने के कईं मामले समय समय पर आते हैं, ट्रांसफार्मरों से बायर चोरी होने का कोई मामला सामने नहीं आया है।

शहर में पर्याप्त ट्रांसफार्मर

शहर में 381 ट्रांसफार्मर हैं जिनसे बिजली प्रदाय की जाती है, अशोकनगर शहर में 29812 उपभोक्ता हैं। ट्रांसफार्मर 100 से लेकर 20 किलोवाट की क्षमता के हैं, शहर में बिजली के नए खंबे नहीं लग पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बिजली की समस्या को लेकर 1912 की सुविधा प्रदान की गई है, जिस पर फोन लगाते ही तुरंत कार्यवाही होती है और 38 मिनट में शिकायत दूर की जाती है। बिजली चोरी के मामले में अशोकनगर संभाग में कार्यवाही की जा रही है।

सोलर लाइट से 15 प्रतिशत का लाभ मिला है

जिन उपभोक्ताओं द्वारा सोलर कनेक्शन लिए जा रहे हैं उससे 10 से 15 प्रतिशत तक बिजली विभाग को लाभ मिला है और घरेलु उपभोक्ताओं को 50 प्रतिशत तक लाभ मिला है, उनके बिजली कनेक्शन फ्री हो चुके हैं। इसके लिए भी विधुत वितरण कंपनी द्वारा कैम्प लगाकर सब्सिडी के बारे में अवगत कराया जाएगा। सोलर पंप में भी किसानों को सोलर लाईट का उपयोग करना चाहिए, शासकीय कार्यालयों में भी कईं कार्यालयों में सोलर कनेक्शन लिए गए हैं, यह भविष्य के लिए बहुत आवश्यक है।

> **इनका कहना है...**
>
> अशोकनगर संभाग में बिजली चोरों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है पिछले माह में 200 प्रकरण बनाए गए हैं, लगातार तारों का मेंटनेंस किया जा रहा है, शहर में साढ़े 23 घण्टे बिजली प्रदान की जा रही है, घरेलु उपभोक्ताओं के साथ पंप कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को भी सोलर कनेक्शन लिया जाना चाहिए ताकि बिजली की खपत का कम से कम उपयोग हो सके और सोलर लाईट से उपभोक्ता लाभांन्वित हो सकें।
>
> अजय तौमर अतिरिक्त अधीक्षण यंत्री विधुत वितरण कंपनी